MP में एक दिन में सबसे अधिक 6,489 नए कोरोना मामले दर्ज, भोपाल में लगा कोरोना कर्फ्यू

देशभर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में देश के अलग-अलग हिस्सों से लगातार कोरोना के बढ़ते मामले सामने आ रहे हैं, यही कारण है कि देशभर में तमाम जगहों पर कई तरह की पाबंदियां लगाई जा रही हैं। इस बीच मध्यप्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के सर्वाधिक 6,489 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या 3,44,634 तक पहुंच गयी।

राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से 37 और व्यक्तियों की मौत हुई है। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 4,221 हो गयी है। यह जानकारी मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने दी है।

उन्होंने कहा कि सोमवार को कोविड-19 के 1552 नये मामले इंदौर में आये, जबकि भोपाल में 824, ग्वालियर में 497,

जबलपुर में 469 एवं उज्जैन में 212 नये मामले आये। अधिकारी ने बताया कि अब तक 3,01,0762 मरीज स्वस्थ हो गये हैं और 38,651 मरीजों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि सोमवार को 3,117 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

इस बीच मध्य प्रदेश के भोपाल में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए 19 अप्रैल तक कोरोना कर्फ्यू का ऐलान कर दिया गया है। कोरोना कर्फ्यू का ऐलान करते हुए मध्य प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि भोपाल में जिस तरह से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए कोरोना कर्फ्यू लागू करने का निर्णय लिया गया है। कल 12 अप्रैल से लेकर 19 अप्रैल की सुबह 6 बजे तक कोरोना कर्फ्यू लगाया जाएगा। इसके अलावा इन दौरान किन सेवाओं पर रोक नहीं रहेगी, इस बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि रोजमर्रा के चीजों की गतिविधियां चालू रहेंगी। इसमें अन्य राज्यों और जिलों में माल तथा सेवाओं का आवागमन, अस्पताल, नर्सिंग होम, मेडिकल, स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाएं, केमिस्ट, किराना दुकान, होम डिलीवरी, पेट्रोल पंप,, ज़रूरू बैंक, दूध और सब्जी की दुकानों को छूट रहेगी।

इसी के साथ कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर प्रदेश के 52 जिलों में से करीब 19 जिलों में सात से नौ दिन के लिए कोरोना कर्फ्यू लगाया जा चुका है। मालूम हो कि प्रदेश के जिन 19 जिलों में सात से नौ दिन के लिए कोरोना कर्फ्यू लगाया गया है, उनमें भोपाल के अलावा इंदौर,शाजापुर, उज्जैन, बड़वानी, राजगढ़, विदिशा, रतलाम, बैतूल, खरगोन, कटनी, छिंदवाड़ा, जबलपुर, बालाघाट,नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, देवास एवं पन्ना शामिल हैं। इनमें से कुछ जिलों में नौ अप्रैल शाम छह बजे से 19 अप्रैल सुबह छह बजे तक कोरोना कर्फ्यू रहेगा और कुछ जिलों में 22 अप्रैल की सुबह तक कोरोना कर्फ्यू रहेगा।

नवरात्रि घटस्थापना मुहूर्त और पूजा विधि

धर्म। चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा की तिथि से नवरात्रि और नववर्ष का पर्व प्रारंभ हो रहा है। 13 अप्रैल 2021, मंगलवार को मातारानी अश्व पर सवार होकर आ रही हैं। पंचांग के अनुसार कोई तिथि क्षय नहीं होगी। ऐसे में इस बार नवरात्रि के पूरे 9 दिन ही रहेंगे। आइए, जानते हैं कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त और कलश स्थापना पूजन की संक्षिप्त जानकारी।

1. 13 अप्रैल 2021 को कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 58 मिनट से 10 बजकर 14 मिनट तक रहेगा अर्थात लगभग 4.15 घंटे यह मुहूर्त रहेगा।

2. इसके अलावा दोपहर 11 बजकर 36 मिनट से 12 बजकर 24 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त रहेगा है। आप चाहें तो इस मुहूर्त में भी कलश स्थापना कर सकते हैं।

3. इसके बाद दोपहर 11 बजकर 50 मिनट से 1 बजकर 25 मिनट तक अमृत मुहूर्त रहेगा। इस

मुहूर्त में भी घटस्थापना कर सकते हैं।

अब जानिए घटस्थापना की पूजन विधि-

1. नवरात्रि के प्रथम दिन प्रातःकाल जल्दी उठें। स्नान आदि से निवृत्त होने के बाद साफ कपड़े पहनकर पूजा स्थल की भी अच्छे से सफाई करें।

2. फिर माता दुर्गा की तस्वीर पर हार-फूल चढ़ाएं। तस्वीर के बाईं ओर सामने एक चौड़े मुंह वाले किसी बर्तन में मिट्टी डालकर उसमें सप्तधान या फिर जौ बो दें।

3. फिर उस मिट्टी पर 1 कलश रख दें। कलश में पवित्र जल भर दें। उसके बाद कलश के ऊपरी भाग यानी कि गर्दन पर कलावा बांध दें।

4. इसके बाद कलश के ऊपर आम या अशोक के पल्लव रखें। फिर उस पल्लव के बीचोबीच 1 नारियल रख दें। नारियल पर भी कलावा बांध दें।

5. इसके बाद फिर मां दुर्गा का आवाहन करें और दीप जलाकर कलश की पूजा करें।

6. माता की विधि-विधान से पूजा करने के बाद दुर्गा सप्तशती का पाठ करें या दुर्गा चालीसा पढ़ें।

7. अंत में माता की आरती उतारें।

यहाँ जाने अल्कोहल सेहत के लिए क्यों जरूरी है

हेल्थ। हमनें अक्सर यह अवश्य सुना हैं और देखा भी हैं की शराब पिने से कई तरह की बीमारियां पैदा हो जाती हैं। लेकिन कभी आपने सुना और देखा हैं की शराब को बॉडी पर लगाने से कितने अधिक फायदे होते हैं। चलिए हम आपको बताते हैं शराब को बॉडी पर लगाने के कितने फायदे होते हैं।

कई बार नहाते या स्विमिंग करते समय कान में पानी चला जाता है जिससे कान में खुजली और इंफैक्शन हो जाती है और दर्द होने लगता है। उस समय एल्कोहल की बूंदों को कान के पास रगडना चाहिए जिससे कान के अंदर पानी सूख जाएगा।

बुखार या किसी और वजह से होंठ, नाक के नीचे या ठोडी के असापास लाल निशान हो जाते हैं जिससे काफी दर्द होता है। इसके लिए त्वचा के उस हिस्से पर एल्कोहल लगा लें और 10 मिनट के बाद पानी से धोएं। 2-3 दिन लगातार ऐसा करने से फायदा होगा।

कई बार चोट लगने की वजह से घुटने या कोहनी पर हल्की चोट लग जाती है जिसके लिए डॉक्टर के पास जाना जरूरी नहीं होता। ऐसे में कॉटन पर एल्कोहल लगाकर घाव पर लगाएं और 10 मिनट के लिए ऐसा ही छोड़ दें। इससे इंफैक्शन नहीं होगी और घाव भी जल्दी भरेगा।

मांसपेशियों में दर्द होने पर दवा खाने की जगह एल्कोहल का इस्तेमाल करें। इसके लिए दर्द वाली जगह पर एल्कोहल रगड़ें। 1 घंटा लगा रहने के बाद इसे पानी से धो लें। इससे दर्द कम हो जाएगा।

कई बार इंफैक्शन की वजह से हाथ या पैर पर फंगस की समस्या हो जाती है। ऐसे में नाखुनों का रंग सफेद या पीला पड़ जाता है और नाखुन कठोर हो जाते हैं।

इसके लिए कॉटन पर एल्कोहल डालें और इसे नाखुनों पर लगाएं। आधा घंटा कॉटन को नाखुन पर ही रहने दें और फिर धोकर अच्छे से पौंछ लें। इससे फंगस इंफैक्शन ठीक हो जाएगा।